15·2

1595/Total

विभाग मंत्रालय
______ DEPARTMENT/MINISTRY

शाखा
Hindi BRANCH

मंत्रणा संग्रह
Consultation Collection Proscribed Publication.

संख्या
No. 553 (2) (P)

दिनांक
Date सूर्यप्रसाद अवस्थी, मजदूर सभा, कानपुर

विषय
Subject मजदूर झंडे की प्रार्थना : आवाहन

पूर्व निर्देश
Previous reference

बाद का निर्देश
Later reference

Mazdur Jhande ki prarthana Pamphlet 3 copies
M!
Govt. of U.P.
112
112

❁ वन्देमातरम ❁

मज़दूर झंडे की प्रार्थना ।

मातृ भूमि का मान बढ़ाये
झंडा लाल सदा फहराये ॥

टेढ़ी हँसिया सी निगाह हो, भरा रंग खूनी अथाह हो ।
मर मिटने की अमिट चाह हो, मरते हुये न कभी आह हो ॥
साहस का सागर लहराये ।
झंडा लाल सदा फहराये ॥

रहा रूसियों को यह प्यारा, जहां 'ज़ार' ज़ालिम को मारा ।
वही हिन्द में आज पधारा, धनिकों से करदे निपटारा ॥
दुश्मन देख देख घबराये ।
झंडा लाल सदा फहराये ॥२॥

ऐ प्यारे मज़दूरो आओ, इस झंडे की शान बढ़ाओ ।
आज़ादी के गाने गाओ, बलि-वेदी पर भेंट चढ़ाओ ॥
दशों दिशाओं को थहराये ।
झंडा लाल सदा फहराये ॥३॥

साम्यवाद का पाठ पढ़ादो, सोया भारत भाग्य जगादो ।
बढ़कर भीषण क्रान्ति मचा दो, अन्यायी सरकार मिटादो ॥
जय-घोष से गगन घहराये ।
झंडा लाल सदा फहराये ॥४॥

उमड़ उठे फिर जोश जवानी, बहे खून बहता ज्यों पानी ।
जीवन की हो अमर कहानी, नहीं शत्रु की रहे निशानी ॥
सिंहासन रिपु का भहराये ।
झंडा लाल सदा फहराये ॥५॥

अग्रवाल प्रेस-कानपुर

NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
No 553
Date 14.12.71
GOVT. OF INDIA

IMPERIAL RECORD
RECEIVED.
10 DEC. 1930
DEPARTMENT

आवाहन ।

ऐ मज़दूर जवानो आओ !

जननी ने दुख बहुत उठाया, लेकिन सुखसे तुम्हें सुलाया ।
आज परीक्षा का दिन आया, पीछे पैर न पड़ने पावे ॥

ऐ मज़दूर जवानो आओ ।
मरते दम तक क़दम बढ़ाओ ॥१॥

मत अब और अधिक रोने दो, मुख न आँसुओं से धोने दो ।
माँ ! का मन न मलिन होनेदो, क्यों फटती न दर्द से छाती ॥

अब न दूध उसका शरमाओ ।
ऐ मज़दूर जवानो आओ ॥२॥

तुम हो आफ़त के परकाले, आज़ादी में हो मतवाले ।
आओ सर से कफ़न सँभाले, बीरो ! अब अपने साहस से ।

दुश्मन के दिल को दहलाओ ।
ऐ मज़दूर जवानों आओ ॥३॥

चूस चूस कर खून तुम्हारा, है कितनों को भूखों मारा ।
बड़ा द्रोहियों का दल सारा, क्यों चुप हो बैठे मन मारे ?

जौहर अपने आज दिखाओ ।
ऐ मज़दूर जवानों आओ ॥४॥

जीवन की घड़ियां मरती है, पड़ी दासता में मरती है ।
आवाहन तुमको करती है, बलि वेदी पर भेंट चढ़ाओ :-

शान्त क्रान्ति का पाठ पढ़ाओ ।
ऐ मज़दूर जवानो आओ ॥५॥

प्रकाशक :-

सूर्य्यप्रसाद अवस्थी

प्रधान मंत्री

कानपुर, मज़दूर सभा ।